हरिभूमि
मध्यांचल भूमि
रायपुर, शनिवार 31 अक्टूबर 2026



फसल बचाने में जुटे किसान

खरोरा। तूफान अर्नव के प्रभाव से खरोरा सहित आसपास के गांव में मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। बुधवार को सुबह से ही रुक-रुक कर बारिश होती रही है, जिससे किसानों की मुश्किलें बढ़ गई। बारिश एवं तेज हवाओं से कटाई के लायक सभी फसल गिरने लगी। वहीं किसानों के द्वारा कटाई की गई धान की फसल बारिश में प्रभावित होने की आशंका है। अगर मौसम की यही स्थिति रही तो किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। इस वर्ष समय-समय पर अच्छी बारिश होने से किसानों को पैदावार बढ़ने की काफी उम्मीद थी, लेकिन बेमौसम वर्षा से उनकी उम्मीद में पानी फिर गया है। अब इंतजार मौसम की साफ होने और अपनी फसलों को सुरक्षित बचाने की चिंता सताई जा रही है। कटाई के ठीक पहले आई इस आपदा से किसानों और महीनों की मेहनत पर पानी फिरने की आशंका पैदा हो गई है। केसला के उन्नत किसान श्यामलाल शर्मा एवं खरोरा के दाऊ अरविंद देवांगन ने कहा कि दीपावली के पहले बेमौसम बारिश से किसानों एवं व्यापारियों दोनों की चिंता बढ़ा दी गई है। बेमौसम बारिश होने से कृषि कार्य की लागत भी बढ़ जाएगी। खेतों में पानी अधिक भर जाने के कारण जो हार्वेस्टर से कटाई कार्य किया जाता है। अब वह संभव नहीं है। बारिश के कारण खेतों में पानी भर गया है और ऊपर से खड़ी फसल आंधी तूफान के कारण गिर जाने से कटाई की लागत दोगुनी हो जाएगी। पानी में फसल डूबे होने के कारण उसकी उपज और गुणवत्ता में भी कमी आएगी इसी सभी स्थितियों को देखकर क्षेत्र के किसान काफी चिंतित नजर आ रहे हैं। किसानों ने शासन प्रशासन से प्रभावित गांवों में फसल की स्थिति का जायजा लेने और संभावित नुकसान का आकलन कराने की मांग की है।

किसानों ने की फसल बीमा का लाभ दिलाने की मांग

तेज हवाओं के साथ बारिश खेतों में बिछी धान की फसल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कसडोल

जिले सहित कसडोल क्षेत्र में 28 और 29 अक्टूबर को अर्नब चक्रवात के प्रभाव से हुई रुक-रुककर बारिश किसानों के लिए आफत बन गई है। धान की फसल पकने के अंतिम चरण में है, ऐसे में तेज हवाओं के साथ हुई बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेरने की आशंका बढ़ा दी है। कई खेतों में खड़ी धान की फसल हवा के झोंकों से जमीन पर चादर की तरह बिछ गई है। वहीं, खेतों में पानी भरने से फसल खराब होने का खतरा भी बढ़ गया है। कसडोल नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में मौसम की बेरुखी से किसान चिंतित हैं। किसानों का कहना है कि महीनों की मेहनत के बाद धान की फसल तैयार होने की स्थिति में पहुंची थी, लेकिन ऐन कटाई के समय हुई बारिश और तेज हवाओं ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। खेतों में गिरी फसल को संभालना चुनौती बन गया है। यदि खेतों में लंबे समय तक पानी भरा रहा और फसल गीली रही तो धान की गुणवत्ता और उत्पादन दोनों प्रभावित हो सकते हैं। किसानों ने शासन-प्रशासन से बारिश से हुए नुकसान का सर्वे कराकर उचित मुआवजा और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ दिलाने की मांग की है। उनका कहना है कि हर साल फसल बीमा के लिए प्रीमियम की राशि जमा की जाती है, इसलिए प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान का आकलन कर पात्र किसानों को नियमानुसार बीमा क्लेम दिलाया जाना चाहिए।



किसान खेतों से पानी निकालें : धनेश्वर

कृषि विभाग के अधिकारी धनेश्वर साय ने बताया कि चक्रवाती बारिश से फसल को हुए नुकसान के सटीक आंकड़े अभी एकत्र किए जा रहे हैं। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि जिन खेतों में धान की फसल गिर गई है और पानी भर गया है, वहां से जल्द पानी बाहर निकालें, ताकि फसल को सड़ने से बचाया जा सके। कृषि विभाग की टीम स्थिति पर नजर बनाए हुए है।



फसल खराब होने पर तत्काल दर्ज कराएं शिकायत

कृषि विभाग एवं सहकारी समितियों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमित किसानों से अपील की है कि जिनकी धान की फसल पानी में डूबने अथवा जलभराव के कारण खराब हो रही है, वे तत्काल फसल क्षति की शिकायत दर्ज कराएं। इसके लिए किसान टोल फ्री नंबर 14447 पर कॉल कर सकते हैं। शिकायत दर्ज होने के बाद संबंधित बीमा कंपनी द्वारा मौके पर सर्वेक्षण कर नियमानुसार बीमा क्लेम की प्रक्रिया की जाएगी। किसानों से अपील की गई है कि नुकसान की जानकारी समय-सीमा के भीतर अवश्य दें, ताकि उन्हें बीमा योजना का लाभ मिल सके।

किसानों ने की मुआवजे की मांग

गोपालपुर। गांव एवं क्षेत्र के असंचित ग्रामों में धान की फ़सल मे बाली आने के समय अर्थात अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में वर्षा न होने के कारण खेतों में दरार होकर फसल सूखने लगे तब किसानों ने तालाब, बोर, कुआं, नाला आदि के पानी से सिंचाई कर अपने खून पसीने की मेहनत की रकम लगाकर फसल को 80% बचाने में सफल हो चुका था लेकिन 28 एवं 29 अक्टूबर 2026 को अर्नब चक्रवात प्राकृतिक आपदा के कारण बेमौसम बारिश एवम तेज हवा की वजह से किसानों की फसल पूरी तरह से गिरकर पानी में भीगकर कर नुकसान हो रहा है। पहले तो किसानों ने पानी की कमी के कारण और अब बेमौसम बारिश के कारण किसानों को दोहरी मार का सामना करना पड़ रहा है ऐसी स्थिति में किसानो द्वारा सरकार से मांग करती है कि किसानों के द्वारा किया गया फसल बीमा का लाभ एवं सहकारी बैंकों से लिया गया सरकार से कर्ज को कर्ज माफी की घोषणा कर सरकार छत्तीसगढ़ के किसानों का आंसू पोछने का एवम फसल में हो रहे नुकसान से बर्बाद किसानो को सहयोग करने की मांग किया है।

सूखे से जूझते हुए बचाई थी फसल, अब तूफान ने डुबोया



गोपालपुर। समुद्री तुफान आने के कारण बेमौसम बारिश होने से गांव एवं क्षेत्र के किसानों को धान के फ़सल में जबरदस्त नुकसान सहना पड़ रहा है। जैसे कि धान के फ़सल फूल पकड़ा हुआ था और वैसी ही समुद्री तूफान का आना हुआ और कुछ धान पक चुके थे। लेकिन हवा के साथ में वर्षा हुई,जिसके कारण धान पुरी तरह से गिर गया। और खेतों मे पानी तालाब की तरह लबालब भरा हुआ है। जिससे धान के फ़सल सड़ना प्रतीत हो रहा है, ज्ञात हो कि कुछ दिनों पूर्व पुरा खेत के पानी सुख गया था। जिसके कारण कुछ किसानों ने जिसके पास सिंचाई के साधन था, वह मोटर लगाकर अपने फ़सल पानी सिंचाई करवाएं थे। और जिसके पास सिंचाई का साधन नही था, वह नहीं पला पाए उनका भी नुकसान हो गया। याने किसानों के कहने का मतलब ये है, खेत में पानी नहीं था। उसमें फ़सल मर गए, और अभी अधीक पानी के वर्षा एवं तूफान आने के कारण धान पुरी तरह से गिरने के कारण सड़ने से नुकसान हो रहा है। क्षेत्र के किसानों ने बताया कि यह अंचल में सिंचाई के साधन नहीं होने के कारण सुखा की मार झेल रहे है, और किसी तरह तालाब, नाला से मोटर लगाकर सिंचाई भी कर लिए तो चक्रवाती तूफान आने पर वर्षा एवं तूफान से फ़सल गिर गया और खेतों मे अधिक पानी भरने से सड़ने की संभावना बना हुआ है, तो सरकार खेत के फ़सल को सर्वे करवाकर उचित मुआवजा देने की मांग की है। यदि मुआवजा नही मिलने कि स्थिति मे कर्जा छुटने मुस्कील हो जाएगा। परिवार के परिवरीस करना मुश्किल होगा काम के तलाश मे पलायन होने मे मजबूर हो जाएंगे।

खबर संक्षेप



50 तीर्थयात्री बाबा बैधनाथ धाम के लिए रवाना

पलारी। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत शुक्रवार को पलारी जनपद कार्यालय से 50 तीर्थयात्रियों को बाबा बैधनाथ धाम (देवघर, झारखंड) के लिए रवाना किया गया। सभी तीर्थयात्री एक बस में सवार होकर रायपुर रेलवे स्टेशन के लिए रवाना हुए , जहां से वे रेल द्वारा बाबा बैधनाथ धाम की यात्रा करेंगे। समाजसेवी शेखर वर्मा ने बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और सभी तीर्थयात्रियों को उनकी मंगल यात्रा की शुभकामनाएं दीं। यात्रा दल में वरिष्ठ नागरिक हेमंत साहू, झालू कनोजे, केशव साहू, हेम साहू, परमेश्वर साहू, राम दयाल जायसवाल सहित कुल 50 लोग शामिल हैं। बस को रवाना करने के दौरान करारोपण अधिकारी एम. एल. वर्मा, महेन्द्र वर्मा सहित जनपद एवं नगर पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक और तीर्थयात्रियों के परिजन भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

एबीसी स्कूल के पुस्कर वर्मा का राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में चयन



खरोरा। एबीसी पब्लिक स्कूल सारागाँव के लिए यह अत्यंत गर्व और हर्ष का विषय है कि विद्यालय के कक्षा 8वीं के छात्र पुस्कर वर्मा ने अंडर-14 वर्ग की राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता । अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा और कठिन परिश्रम के बल पर छात्र ने यह उपलब्धि हासिल की तथा उसका चयन राष्ट्रीय स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में उसका चयन हों गया है। इस गौरव पूर्ण उपलब्धि से विद्यालय में खुशी और उत्साह का माहौल है। विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण, अभिभावकों एवं सहपाठी विद्यार्थियों ने छात्र को शुभकामनाएं दी हैं। विद्यालय प्रबंधन समिति एवं विद्यालय परिवार ने छात्र की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे विद्यालय के लिए गर्व का विषय है। प्रबंधन ने छात्र के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वह राष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं राज्य का नाम रोशन करेगा।

शराब पीकर वाहन चलाने वाले दो चालकों पर 20 हजार रुपए का जुर्माना

बलौदाबाजार। जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने सख्ती तेज कर दी है। इसी क्रम में गिधौरी एवं हथबंद पुलिस की टीम ने ब्रेथ एनालाइजर से जांच के दौरान शराब के नशे में वाहन चलाते हुए दो चालकों को पकड़ा। दोनों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई कर वाहन जब्त किए गए और प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किए गए। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशन में जिलेभर में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों तथा शराब पीकर वाहन चलाने वालों की लगातार जांच की जा रही है। पुलिस ने गिधौरी एवं हथबंद थाना क्षेत्र में चेकिंग के दौरान दो वाहन चालकों को शराब के नशे में वाहन चलाते हुए पकड़ा था। दोनों मामलों में 30 अक्टूबर को माननीय न्यायालय ने अलग-अलग सुनवाई करते हुए प्रत्येक चालक पर 10-10 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया। इस प्रकार दोनों वाहन चालकों पर कुल 20 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है।



अर्नव चक्रवात से तबाह हुई फसल

सिमगा। अत्यधिक वर्षा से आई बाढ़ और अब 'अर्नव' चक्रवात के कहर से सिमगा क्षेत्र के किसान बर्बादी की कगार पर पहुंच गए हैं। खेतों में खड़ी धान की फसल पूरी तरह डूब चुकी है जिससे अन्नदाताओं के सामने गंभीर आर्थिक संकट आन पड़ी है। साहू संघ किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश महामंत्री लोकनाथ साहू ने शासन-प्रशासन का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकर्षित करते हुए तत्काल राहत देने की मांग की है। साहू ने बताया कि पिछले दिनों हुई मूसलाधार बारिश के कारण सिमगा क्षेत्र के 50 से अधिक गांव बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुए थे। जिला प्रशासन ने कलेक्टर के निर्देश पर बाढ़ ग्रस्त लोगों को तो सुरक्षित निकाल लिया गया था लेकिन फसल के नुकसान का मुआवजा आज तक पीड़ित किसानों को नहीं मिला है। किसान आज भी मुआवजे की राह ताक रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसान इस क्षति से उबर भी नहीं पाए थे कि पिछले दो दिनों से 'अर्नव' चक्रवात के प्रभाव से हुई भारी वर्षा और तूफान ने रही-सही उम्मीदों पर भी पानी फेर दिया। लगातार बारिश से खेतों में एक फीट तक पानी भर गया है जिससे खड़ी फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है। बाढ़ एवं चक्रवाती तूफान से प्रभावित फसलों का तत्काल सर्वे कराकर उचित क्षतिपूर्ति राशि प्रदान की जाए। राज्य सरकार किसानों का कृषि कर्ज माफ करने की घोषणा करे ताकि वे इस संकट से उबर सकें। उन्होंने ने कहा कि यदि किसानों को समय पर न्याय नहीं मिला तो किसान संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

लवन के गौठान में दर्जनों गायों की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ लवन

जिले के लवन नगर पंचायत स्थित गौठान से एक बेहद चौंकाने वाला और चिंताजनक मामला सामने आया है। यहां गोठान में दर्जनों मवेशियों की मौत होने की आशंका जताई जा रही है। मवेशियों की इतनी बड़ी संख्या में मौत की खबर सामने आते ही प्रशासनिक व्यवस्था और गोठान के संचालन पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जहां एक ओर गोठानों को बेजुबान जानवरों के संरक्षण और संवर्धन की जिम्मेदारी दी गई है, वहीं ऐसी दर्दनाक तस्वीर सामने आना व्यवस्था की पोल खोलता है। आखिर इन बेजुबानों की मौत का जिम्मेदार कौन है? क्या जिम्मेदारों ने समय रहते इनकी सुध नहीं ली? इन तमाम सवालों के बीच मामले की गंभीरता को देखते हुए 'हरिभूमि' की टीम ने मौके पर पहुंचकर ग्राउंड रिपोर्टिंग के जरिए स्थिति का जायजा लिया।



जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग

इस पूरे मामले को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों में भारी आक्रोश है। वार्ड पार्षद प्रकाश ताम्रकार ने 'हरिभूमि' से बातचीत करते हुए इस दर्दनाक घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही पाई जाती है, तो जिम्मेदार अधिकारियों और प्रबंधकों पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

व्यवस्थाओं पर उठे कई गंभीर सवाल

गोठान से सामने आई इस घटना के बाद कई बड़े प्रशासनिक सवाल खड़े हो रहे हैं। क्या गोठान में मवेशियों के लिए चारे और पानी की उचित व्यवस्था नहीं थी? क्या समय रहते बीमार या कमजोर मवेशियों का पशु चिकित्सा परीक्षण और इलाज नहीं कराया गया? आखिर इतनी बड़ी संख्या में गायों की अकाल मौत कैसे हो गई? हालाँकि, गायों की मौत के वास्तविक कारणों और सटीक संख्या की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है, लेकिन प्राथमिक सुरागों और क्षेत्र में फैली खबर ने पूरे अंचल में सनसनी फैला दी है।

अवैध शराब बिक्री, सट्टेबाजी और फरार आरोपियों पर कार्रवाई, 33,695 रुपए की शराब जब्त

अवैध शराब, सट्टा और जिलाबदर आरोपियों पर शिकंजा, 22 गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बलौदाबाजार

जिले में अपराध और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने शुक्रवार को विशेष अभियान 'ऑपरेशन प्रहार' चलाया। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशन में जिले के विभिन्न थाना एवं चौकी क्षेत्रों में एक साथ दबिश देकर कुल 22 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें अवैध शराब विक्रेता, सटोरिए, स्थायी वारंटी, फरार एवं जिलाबदर आरोपी शामिल हैं। पुलिस ने सोमवार से गुरुवार तक गोपनीय निगरानी और सूचना संकलन के बाद शुक्रवार तड़के चिन्हित ठिकानों पर कार्रवाई की। अभियान में अवैध शराब बिक्री एवं महुआ शराब निर्माण-बिक्री के 14 आरोपी, सट्टापट्टी लिखने वाले दो आरोपी, चार स्थायी वारंटी, एक फरार तथा एक जिलाबदर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से 33,695 रुपए कीमत की 206 पाव देशी मसाला शराब और 63 लीटर हाथभट्ठी महुआ शराब जब्त की गई। सट्टेबाजों से सट्टापट्टी एवं 1,720 रुपए नकद बरामद हुए। सिमगा थाना क्षेत्र में कमलेश साहू (51), सुशील भोई (34) एवं नोमन मार्कण्डेय (24) को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। गिधौरी में ननकी गोड (18), पलारी में भिखम कुर्रे (58) एवं सुशीला बाई मिरी (49) पकड़े गए। कसडोल क्षेत्र में बरातू डहरिया (45), पवन कुमार पासवान (19) एवं नरेश कुर्रे (25) के कब्जे से महुआ शराब जब्त की गई। भाटापारा शहर में गुलापा भारती (23) एवं कोमल डहरिया (41), सोनाखान चौकी क्षेत्र में सुकसिंह धनवार (40) तथा भाटापारा ग्रामीण क्षेत्र में सीता यदु के विरुद्ध कार्रवाई की गई। हथबंद के राउतपारा में सट्टापट्टी लिखते हुए अमरीका टंडन (45) एवं रामसिंग देवदास (41) को गिरफ्तार किया गया। वहीं लवन में जिलाबदर आरोपी गीतेश तिवारी उर्फ अंश को क्षेत्र में घूमते पाए जाने पर गिरफ्तार कर राज्य सुरक्षा अधिनियम एवं बीएनएस की धारा 223 के तहत कार्रवाई की गई इसके अलावा चार स्थायी वारंटी एवं एक फरार आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब, नशे के कारोबार, जुआ-सट्टा एवं अन्य आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।



हर-घर नल से जल पहुंचाने का कार्य हर हाल में 31 मार्च तक पूरा कराएं

सत्यापन के बाद तत्काल करें बिल क्लियर : कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बलौदाबाजार

कलेक्टर कुलदीप शर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला जल एवं स्वच्छता समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रहे कार्यों की गहन समीक्षा की गई और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए कि हर-घर नल से जल पहुंचाने का कार्य 31 मार्च 2027 तक हर हाल में पूरा किया जाए। कलेक्टर ने सभी एसडीओ और सब इंजीनियरों को नियमित रूप से मैदानी स्तर पर विजिट करने तथा ठेकेदारों के कार्यों की कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए।उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये कि अब भुगतान को लेकर कोई समस्या नहीं है। कार्य पूरा होने पर ठेकेदारों के बिलों का भुगतान तत्काल किया जाए। कार्य का भौतिक सत्यापन पत्र एवं कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से सभी संबंधित पंचायतों से प्राप्त करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि मिशन के तहत पाइपलाइन बिछाने के दौरान तोड़ी गई सड़कों और नालियों की मरम्मत सुनिश्चित करें। यदि ठेकेदार द्वारा मरम्मत नहीं कराई जाती है, तो पंचायत को नियमानुसार राशि दी जाए ताकि समय पर मरम्मत कराई जा सके।हर घर नल से जल योजना के सुव्यवस्थित संचालन के लिए 'जल मित्र' और 'पम्प ऑपरेटर' नियुक्त करने के साथ-साथ पंचायतों को जल कर के संग्रहण के लिए पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए गए। बैठक मे सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल,कार्यपालन अभियंता नमित कोसरिया, सीएमएचओ डॉ. राजेश अवस्थी सहित समिति के अन्य सदस्य एवं एसडीओ उपस्थित थे।



खबर संक्षेप



महिलाओं को दी जाएगी ग्राफ्टेड सब्जी खेती की ट्रेनिंग

भैंसा। खुशी कलस्टर संगठन में समन्वय अमित सरकार के पहल से खुशी कलस्टर संगठन भैंसा में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए महिलाओं को सक्षम बनाने के लिए एक नया कदम उठाने जा रहे हैं जिसके तहत टीआरपी मतलब अब अपडेट सब्जी की खेती की जाएगी। ग्राफ्टेड सब्जी खेती से आत्मनिर्भरता की नई राह बिहान एवं प्रदान संस्था के सहयोग से महिला क्लस्टर संगठन की दीदियों को ग्राफ्टेड सब्जी खेती का तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान टमाटर एवं बैंगन के 27,300 ग्राफ्टेड पौधों का वितरण कर आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा दिया गया। पीआर दीदी पूनम गोस्वामी ने कहा की यह पहल महिलाओं को कृषि उद्यमिता से जोड़ते हुए उनकी आय बढ़ाने और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। महिलाओं को दिए जाने वाला यह एक छोटा सा भ्रूण है इससे महिलाएं बिना खाद और बिना किसी रासायनिक प्रयोग से एक अच्छी खेती कर सकेंगे जो कि आगे चलकर सभी के लिए लाभदायक होगा।

सीएम साय से रामलीला मंडली ने की मुलाकात



भाटापारा। शिवरतन शर्मा के नेतृत्व में आदर्श रामलीला नाटक मंडली, भाटापारा के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री निवास, रायपुर में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से भेंट कर विस्तृत चर्चा की। 107 वर्षों से सन 1918 से आदर्श रामलीला नाटक मंडली द्वारा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के पावन, दिव्य एवं अलौकिक जीवन चरित्र का मंचन अनवरत किया जा रहा है। भेंट के दौरान शिवरतन शर्मा एवं समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री के समक्ष इस ऐतिहासिक मंच को और अधिक भव्य, दिव्य, आकर्षक एवं आधुनिक करने का विस्तृत प्रस्ताव रखा। आज भी शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर श्रद्धालु इस रामलीला को देखने आते हैं। अगर इसका स्वरूप और अधिक भव्य एवं दिव्य हो जाएगा तो इससे न केवल मंचन और अधिक प्रभावशाली होगा, मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधि मंडल की समस्त बातों को सुना हरसंभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर आदर्श रामलीला नाटक मंडली समिति के प्रकाश शर्मा, कोमल शर्मा, बजरंग लाल चौरसिया, संदीप (मोनू) मल उपस्थित रहे।

निधन

अमरू साहू

भाटापारा। तरेगा निवासी अमरू साहू उम्र 78 वर्ष का 30 अक्टूबर को निधन हो गया।उनका अंतिम संस्कार गांव के मुक्तिधाम में किया गया जिसमें गांव के गणमान्य नागरिक शामिल हुए।वे रामकुमार साहू के पिता एवं खिलेश, तुलेश के दादा थे।



करवा चौथ पर सुहागिनों ने रखा निर्जला व्रत



भैंसा। करवा चौथ का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। सुहागिन महिलाओं ने पति की लंबी उम्र और सुखी दांपत्य जीवन की कामना करते हुए निर्जला व्रत रखा। पर्व को लेकर महिलाओं में एक दिन पहले से ही उत्साह दिखाई देने लगा था। महिलाओं ने एक दिन पहले हाथों में मेहंदी लगाकर पर्व की तैयारियां कीं। करवा चौथ के दिन सोलह श्रृंगार कर महिलाओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

सुहागिनों ने चंद्रमा को अर्घ्य देकर तोड़ा व्रत



भाटापारा। गुरूवार को नगर सहित अंचल में महिलाओं द्वारा अपने पति की लंबी उम्र, सुख समृद्धि और खुशहाल दाम्पत्य जीवन की कामना के साथ करवा चौथ का निर्जला व्रत रखकर विधि विधान से चन्द्रदेव, भगवान शंकर, माता पार्वती व भगवान गणेश की पूजा की। शाम को समाज के मंदिर में कथा सुनी। हिंदू धर्म के इस प्रमुख पर्व पर परंपरा के अनुसार महिलाओं ने देर रात चन्द्रमा के दर्शन करने और अर्घ्य देने के बाद चलनी से अपने पति का मुंह देखा व पति के पैर छूकर आशिर्वाद लिया ततपश्चात उनके हाथों जल पीकर व्रत तोड़ा।

व्रत : महिलाओं ने पति की दीर्घायु के लिए रखा करवा चौथ, बारिश से चांद का नहीं हुआ दीदार

सुहागिनों ने सोलह श्रृंगार कर की पूजा-अर्चना

हरिभूमि न्यूज ⏭ भटगांव

नगर भटगांव में करवा चौथ का पर्व बड़ी श्रद्धा, उल्लास और पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य के लिए निर्जला करवा चौथ व्रत रखा। इस दिन भले ही आसमान में बादल छाये रहे और चांद देर से निकला, लेकिन महिलाओं की आस्था और उत्साह में कोई कमी नहीं आई। जहां दिन भर बारिश होने के बावजूद महिलाओं ने पूरे दिन बिना अन्न-जल के कठोर व्रत रखा और दूसरे शहरों और गांवों में फोन करके चांद निकलने की जानकारी ली, तब जाकर विधि-विधान से अपना व्रत तोड़ा। करवा चौथ के दिन सुबह से ही नगर में अलग ही रौनक देखने को मिली। सुबह-सुबह सुहागिन महिलाओं ने स्नान कर सोलह श्रृंगार किया। हाथों में मेहंदी, पैरों में महावर, मांग में सिंदूर और लाल साड़ी में सजी-धजी महिलाएं बेहद खूबसूरत लग रही थीं। सुबह महिलाओं ने व्रत का संकल्प लिया और दिन भर भगवान शिव, माता पार्वती, कार्तिकेय और गणेश जी की पूजा की। कई जगह महिलाओं ने समूह में बैठकर करवा चौथ की कथा सुनी। कथा के दौरान पंडित जी ने करवा चौथ की महत्ता और इससे जुड़ी पौराणिक कथाओं का वर्णन किया। वहीं बाजार में भी करवा चौथ को लेकर खूब चहल-पहल रही। मेहंदी लगाने वालों के पास लंबी कतारें लगी रहीं। श्रृंगार की दुकानों और साड़ी की दुकानों पर महिलाओं की भीड़ उमड़ी रही।



विधि-विधान से तोड़ा व्रत

चांद दिखते ही महिलाओं ने छलनी से पहले चांद को देखा, फिर अपने पति को देखा और फिर पति के हाथों से पानी पीकर अपना निर्जला व्रत तोड़ा। कई घरों में पति ने पत्नी के पैर छूकर आशीर्वाद भी लिया।व्रत तोड़ने के बाद पति-पत्नी ने एक साथ भोजन किया। इस दौरान घरों में हंसी-खुशी का माहौल रहा। कई नवविवाहित महिलाओं के लिए यह पहला करवा चौथ था, इसलिए उनके घरों में विशेष उत्सव का माहौल था। सास ने अपनी बहुओं को सरगी दी और उनके सुखी वैवाहिक जीवन की कामना की।

फोन से ऑनलाइन रिश्तेदारों से पूछ कर देखे चंद

वहीं शाम होते ही महिलाओं की बैचेनी बढ़ने लगी क्योंकि आसमान में काले बादल के साथ लगातार बारिश जारी रही । हर साल चांद का इंतजार बड़ी बेसब्री से किया जाता है, लेकिन इस बार बदली के कारण चांद समय पर दिखाई नहीं दे रहा था। नगर में लगभग 12 बजे तक चांद नहीं दिखा। महिलाओं ने छतों पर जाकर बार-बार आसमान की ओर देखा, लेकिन बादलों के कारण चांद नजर नहीं आ रहा था। ऐसे में महिलाओं ने अपने रिश्तेदारों और दूसरी जगह रहने वाले परिचितों को फोन लगाना शुरू कर दिया। कोई रायपुर फोन कर रही थी, तो कोई बिलासपुर, कोई सारंगढ़ तो कोई बिलाईगढ़ फोन करके पूछ रही थी कि उधर चांद निकला क्या? जब दूसरी जगहों से खबर आई कि चांद निकल चुका है, तब भटगांव में भी महिलाओं ने छत पर जाकर इंतजार किया।

पति की दीर्घायु के लिए सुहागिनों ने रखा व्रत



बलौदाबाजार। नगर में करवाचौथ का पर्व पारंपरिक श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और दांपत्य जीवन की खुशहाली की कामना करते हुए करवाचौथ का व्रत रखा। महिलाओं ने दिनभर व्रत रखकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और करवाचौथ माता की कथा सुनकर अपने परिवार की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। इसी कड़ी में प्रिया मंजीत चावला के निवास पर करवाचौथ व्रत कथा का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में सुहागिन महिलाएं एकत्रित हुईं और सामूहिक रूप से करवाचौथ माता की पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा संपन्न की तथा व्रत कथा का श्रवण किया। आयोजन के दौरान धार्मिक वातावरण बना रहा और महिलाओं ने एक-दूसरे को करवाचौथ पर्व की शुभकामनाएं दीं। करवाचौथ भारतीय संस्कृति और परंपरा से जुड़ा एक महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन विवाहित महिलाएं अपने पति की दीर्घायु और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के साथ निर्जला व्रत रखती हैं। शाम को चंद्रोदय के बाद चंद्रमा को अर्घ्य देकर तथा पूजा-अर्चना के पश्चात व्रत खोलने की परंपरा निभाई जाती है। यह पर्व पति-पत्नी के बीच प्रेम, विश्वास और समर्पण के भाव को भी दर्शाता है। प्रिया मंजीत चावला के निवास पर आयोजित पूजा में प्रिया मंजीत चावला, रोशनी संतोष चावला, मन्नत विकास गंभीर, सीमा विक्रम पटेल, रैना सलूजा, शालू पंजवानी, रीत परसवानी, साक्षी गोविंददानी, मुस्कान परसवानी और कोमल सलूजा, रानी सलूजा सहित बड़ी संख्या में सुहागिन महिलाएं उपस्थित रहीं। सभी ने श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

श्रद्धा के साथ मनाया गया करवाचौथ

खरोरा। सुहाग, प्रेम, आस्था और अटूट विश्वास का प्रतीक करवाचौथ का पावन पर्व गुरुवार को खरोरा नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी आयु, उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और खुशहाल दांपत्य जीवन की कामना करते हुए निर्जला व्रत रखा। पूरे दिन महिलाओं में पर्व को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।



करवाचौथ को लेकर सुबह से ही घरों में तैयारियां शुरू हो गई थीं। महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार सोलह श्रृंगार कर पूजा-अर्चना की। हाथों में मेहंदी, माथे पर बिंदिया, मांग में सिंदूर और रंग-बिरंगी चूड़ियों से सजी महिलाओं ने पर्व की रौनक बढ़ा दी। महिलाओं ने आकर्षक ढंग से पूजा की थालियां सजाईं और दिनभर अन्न-जल का त्याग कर अपने पति की दीर्घायु के लिए उपवास रखा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार करवाचौथ का व्रत पति की लंबी आयु और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के लिए रखा जाता है। शाम को व्रती महिलाएं पूजा के लिए एकत्रित हुईं और विधि-विधान से करवा माता की पूजा-अर्चना कर करवाचौथ की कथा सुनी। इस दौरान महिलाओं ने अपने परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना की।

महिलाओं ने प्रतिकात्मक दर्शन कर तोड़ा निर्जला व्रत

सिमगा। कार्तिक मास की चतुर्थी तिथि पर पति की दिर्घायु की कामना एवं परिवार की सुख समृद्धि के लिए गुरुवार को सिमगा एवं ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं ने करवा चौथ का व्रत हर्षोल्लास पूर्वक रख कर इस पर्व को धूमधाम से मनाया। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर महिलाओं ने समूह में एकत्रित होकर एक जगह पूजा अर्चना की। सभी व्रती महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सज धज कर पूजा स्थल पर मिट्टी के करवे, गेहूं, फूल-माला, फल और प्रसाद अर्पित किया।



परंपरा के अनुसार दिनभर निर्जला व्रत रखने के बाद शाम को महिलाओं ने करवा चौथ की कथा सुनी। चंद्रोदय होने पर छलनी से चांद के दर्शन कर अर्घ्य दिया गया। मौसम खराब होने व आसमान में बदली छाए रहने के कारण व्रती महिलाओं ने देर रात चांद के प्रतिकात्मक स्वरूप का दर्शन कर अपने पति के हाथों जल पीकर व्रत तोड़ा। इस सामूहिक पूजा के दौरान महिलाओं ने एक-दूसरे को अखंड सौभाग्य की शुभकामनाएं दीं। उपस्थित महिलाओं ने बताया कि यह व्रत पति-पत्नी के अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक है।

किया पूजन और तोड़ा करवा चौथ का व्रत

खरोरा। पति की लंबी उम्र सुख समृद्धि और अखंडता सौभाग्य की कामना के साथ गुरुवार को नगर पंचायत वार्ड क्रमांक 8 में करवा चौथ का पर्व श्रद्धा आस्था और उत्साह के साथ मनायागया। सुहागिन महिलाओं ने दिनभर निर्जला व्रत रखकर विधि विधान से करवा माता की पूजा अर्चना की। शाम होते ही 16 श्रृंगार कर सजी-धजी महिलाओं ने पूजन की तैयारी शुरू करदी। रात में चंद्र देव ने दर्शन नहीं दिया तो मुहूर्त अनुसार पूजा अर्चना कर छलनी से पति का दीदार किया तथा पति के हाथों जल ग्रहण कर व्रत का पारण किया। इस दौरान नगर के दो दिनों से लगातार हो रही बे मौसम बारिश और बूंदाबांदी के कारण चंद्रमा के दर्शन को लेकर महिलाओं में चिंता थी। इसके बावजूद उन्हें भरोसा था कि रात में चांद नजर आएगा। लेकिन चंद्र देव ने दर्शन नहीं दिया तो किसी ने दीपक की लव के बीच नेहरा और अपने पति की लंबी उम्र अच्छे स्वास्थ्य और परिवार की सुख समृद्धि की कामना की और इसके बाद पति के हाथों जल ग्रहण कर व्रत खोला।



जगह-जगह गड्ढे, राहगीर परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ बंगोली

लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की उदासीनता से बंगोली-मुरा मार्ग गड्ढों में तब्दील, राहगीर परेशान है। बंगोली-मुरा मार्ग की स्थिति दिनों-दिन बदतर होती जा रही है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिसके कारण इस मार्ग से आवागमन करने वाले राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों एवं ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क की जर्जर स्थिति के चलते आए दिन दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।



विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों को गड्ढों के कारण काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। वहीं रात के समय इस मार्ग से गुजरना और भी जोखिम भरा हो गया है। स्कूली बच्चों, किसानों, मजदूरों एवं आम नागरिकों को प्रतिदिन परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर लोक निर्माण विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। विभागीय उदासीनता के चलते सड़क की मरम्मत नहीं होने से ग्रामीणों में भारी नाराजगी व्याप्त है। बंगोली-मुरा मार्ग की मरम्मत नहीं होने से अप्रिय घटनायें घट सकती है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं लोक निर्माण विभाग के उच्च अधिकारियों से जनहित को ध्यान में रखते हुए तत्काल सड़क मरम्मत करने की मांग की।

पेंड्रावन बांध बचाने बरौंडा, बंगोली, कुर्रा में आमसभा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बंगोली

पेंड्रावन जलाशय को बचाने के लिये बंगोली सहित कुर्रा, धनसुली, बरौंडा, सारागॉव, खौना, देवगॉव, मढ़ी, निलजा, पौनी, कोदवा आदि के 20 ग्रामों मे आमसभा का आयोजन किया गया। आयोजित आमसभा ग्राम पंचायत बरौंडा में दाऊ प्रदीप मढ़रिया, विरनारायण देवॉगन, दाऊ अनिल नायक कुर्रा, कुबेर हनुमंता, इंद्रकुमार नायक, डोमन नायक बंगोली, घनश्याम वर्मा, निलजा सहित हजारों ग्रामिणजन अपने पंचायत मे आमसभा में उपस्थित हुए। ज्ञात हो कि हाईकोर्ट की एक आदेश की आड़ में राज्य शासन ने पेंड्रावन बॉध के कैचमेंट मे फिर गुपचुप तरीके से खनन की अनुमति दे दी है।



जल संसाधन विभाग की एनओसी मिलने के बाद खनन कंपनी द्वारा सर्वे और एक्सप्रोरेशन का काम शुरु होते ही बंगोली सहित 20 लाभॉन्वित ग्रामों के किसानों मे हड़कंप मच गया है। पेंड्रावन बॉध से लगभग 20ग्रामों के हजारों एकड़ कृषि भूमि में सिंचित होती है। साथ ही इन सभी गॉवों मे गर्मी के समय आम निस्तारी के लिए दर्जनों तालाब, डबरी को पानी से लबालब भरा जाता है। इसके अलावा पानी की भूमिगत जलस्तर, नल, बोरवेल्स सभी पेंड्रावन बॉध के भरोसे ही वॉटर लेवल बना हुआ है। पेंड्रावन बॉध के चलते पूर्वजों व वर्तमान कृषकों से जानकारी मिली कि भीषण आकाल,दुकाल के समय में भी यही पेंड्रावन जलाशय के पानी से कम से कम लागत मूल्य तक धान फसल की पैदावारी ली है, सभी सिंचित ग्रामों में आज भी पेंड्रावन बॉध व भाटापारा शाखा नहर की पानी से खरीफ धान की फसल भरपूर मात्रा मे किसान उपज ले रहे हैं। पेंड्रावन बॉध के खनन से बॉध का अस्तित्व ही खत्म हो जायेगा तो क्षेत्र के 20 ग्रामों के हजारों एकड़ कृषि भूमि बंजर होने की कगार पर है । पानी नही तो धान की उपज, वल, बोरवेल्स, निस्तारी पानी, भूमिगत वॉटरलेवल सब खत्म हो जायेगा तथा भीषण गर्मी में नल से, हैण्टपंप से पीने की पानी निकलना बंद हो जायेगा ये तय है।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने निकाली नशामुक्ति रैली

हरिभूमि न्यूज ⏭ बलौदाबाजार

शासकीय महाविद्यालय लवन की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान के अंतर्गत जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 'नशामुक्ति साइक्लोथॉन' का आयोजन किया गया। प्राचार्य यशवंत राज महिलाने ने हरी झंडी दिखा कर साइकिल रैली को रवाना किया। इसके अंतर्गत महाविद्यालय परिसर से चिह्नित स्थल पुलिस थाना लवन तक साइकिल रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से युवाओं एवं नागरिकों को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में



नगर पंचायत लवन से शिव मंगल सिंह चौहान उपस्थित रहे। इस अवसर पर पुलिस विभाग के अधिकारियों की भी उपस्थिति रही। पुलिस विभाग द्वारा नशे से संबंधित अपराधों और संवैधानिक प्रावधानों की जानकारी साझा की गई। उक्त कार्यक्रम में नशा मुक्त समाज की स्थापना के लिए सामूहिक शपथ ग्रहण की गई । यात्रा पथ में प्लॉगिंग उपरांत थाना परिसर में पौधे रोपित लिए गए। आयोजन ने नशामुक्त समाज के निर्माण में शैक्षणिक संस्थानों, स्थानीय निकाय और पुलिस विभाग की साझा सहभागिता को रेखांकित किया।

साइक्लोथॉन का उद्देश्य युवाओं को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा उनकी ऊर्जा को शिक्षा, खेल और समाजसेवा जैसे सकारात्मक कार्यों की ओर प्रेरित करना था। साइकिल रैली के माध्यम से नशामुक्ति के साथ शारीरिक सक्रियता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। इस आयोजन में 162 स्वयंसेवक उपस्थित रहे। राष्ट्रीय सेवा योजना की यह पहल विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने तथा जनसहभागिता से नशामुक्त और स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में एक सार्थक प्रयास रही।



16 वर्षों से आपकी सेवा में

श्री खाटू श्याम ज्योतिष



ज्योतिष के माध्यम से जीवन की सही दिशा

समस्याएँ चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हों,
समाधान हमेशा संभव है...

मनमोहनी स्पेशलिष्ट

जन्मकुण्डली विशेषज्ञ | पं.रविकांत शर्मा
पं.एस.के. शास्त्री



जन्म पत्रिका बनाई जाती है

- नवग्रह आदि समस्त प्रकार के ज्योतिष सामाधान
- व्यापार, विवाह, नौकरी में प्रमोशन
- मकान-संतान योग
- दुकान, बच्चों के कैरियर मार्गदर्शन
- कालसर्प दोष निवारण
- प्रेम विवाह, मोहनी
- मांगलिक दोष निवारण



खाटू श्याम जी की असीम कृपा से
"हर मुश्किल से मुश्किल समस्या का समाधान
ज्योतिष मेरा काम नहीं, मेरी साधना है"
जब कहीं ना हो काम, तो हमसे ले समाधान

व्यापार बढ़ोतरी, किया कराया,
शादी के लिए माता-पिता को मनाना
जब कही ना हों काम, तो हमसे ले समाधान





















क्यों चुनें हमें ?

- 16 वर्षों का अनुभव
- सटीक एवं सरल समाधान
- गोपनीयता की पूर्ण गारंटी
- व्यक्तिगत मार्गदर्शन
- श्रद्धा और विश्वास पर आधारित सेवा

ऑफिस आने पर मात्र

₹ 101

PAYMENT QR CODE

₹ 251

फोन से परामर्श मात्र

हमारी प्रमुख सेवाएं

- **जन्म कुंडली विश्लेषण** — व्यक्तित्व, करियर, विवाह, संतान
- **वैवाहिक जीवन** — विवाह में आ रही बाधाएँ, वैवाहिक सुख
- **करियर एवं व्यवसाय** — नौकरी, व्यापार, विदेश योग
- **धन एवं समृद्धि** — आर्थिक स्थिति, निवेश, लाभ
- **संतान योग** — संतान प्राप्त, संतान सुख
- **वास्तु शास्त्र** — घर, दुकान, ऑफिस की ऊर्जा
- **हस्तरेखा विज्ञान** — जीवन की संभावनाएँ, भविष्य संकेत
- **प्रश्न कुंडली** — तत्काल समाधान, सही दिशा

बुकिंग के लिए संपर्क करें:
+91 747 067 4060

पोलसाय पारा चौक,
स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

संपर्क सूत्र:- पं. रविकांत शर्मा एवं
पं. एस. के शास्त्री: +91 9755964567

नोट : मिलने के लिए अपॉईंटमेंट लेना आवश्यक है। असुविधा से बचने के लिए अपॉईंटमेंट लेकर ही मिलें। | Follow us on: shree_khatushyam_jyotish | हमारी अन्य कोई और शाखा नहीं है।